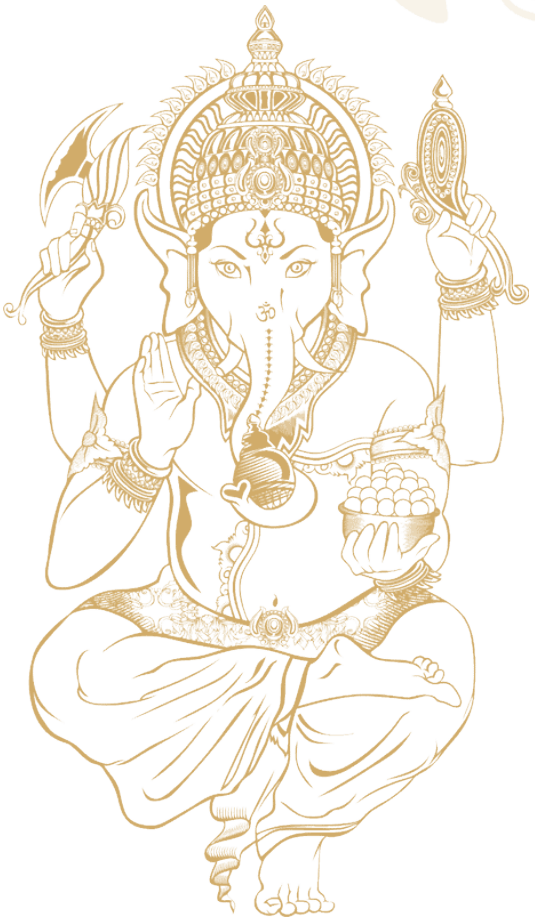

Mr.

11 Nov 1993

11:58 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121750202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/11/1993**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**23:58:00 घंटे**
इष्ट	43:13:05 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:36:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:01 घंटे
साम्पातिक काल	03:00:29 घंटे
सूर्योदय	06:40:45 घंटे
सूर्यास्त	17:29:27 घंटे
दिनमान	10:48:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	25:36:33 तुला
लग्न के अंश	27:06:08 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	प्रीति
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पेशवा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:06:08	309:23:12	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			तुला	25:36:33	01:00:22	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	नीच राशि
चंद्र			कन्या	25:54:15	14:58:05	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	वृश्चि	08:02:56	00:43:09	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	स्वराशि
बुध	व		तुला	13:54:38	00:40:04	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
गुरु			तुला	06:31:37	00:12:42	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	09:34:58	01:15:10	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि			कुंभ	00:02:32	00:01:30	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	09:16:43	00:01:33	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	09:16:43	00:01:33	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	25:18:18	00:02:11	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	25:05:46	00:01:22	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	01:24:43	00:02:24	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मेष	23:48:49	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:31

लग्न-चलित

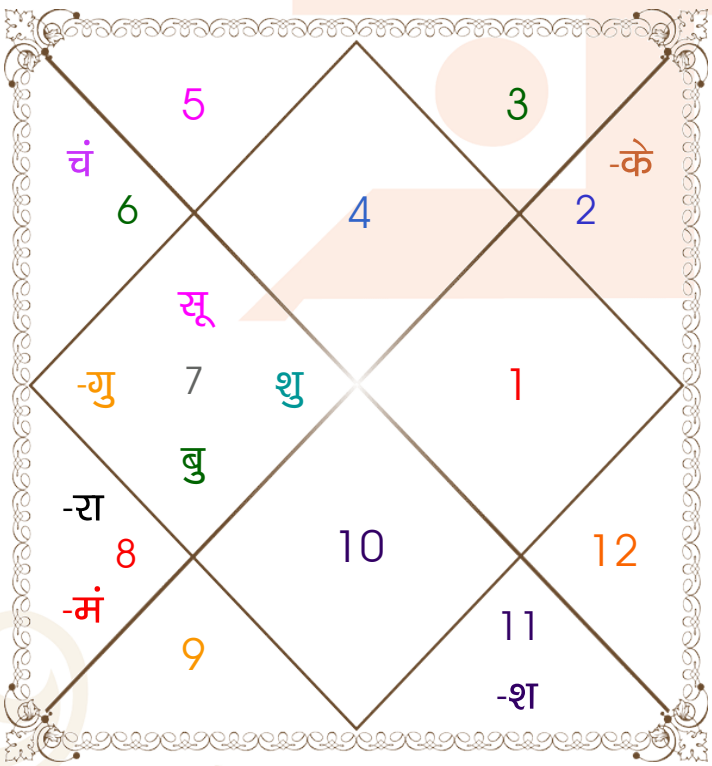

चन्द्र कुंडली

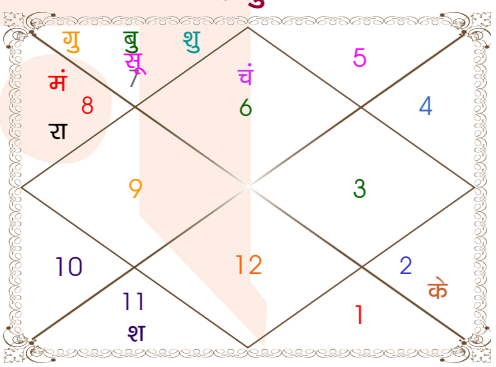

नवमांश कुंडली

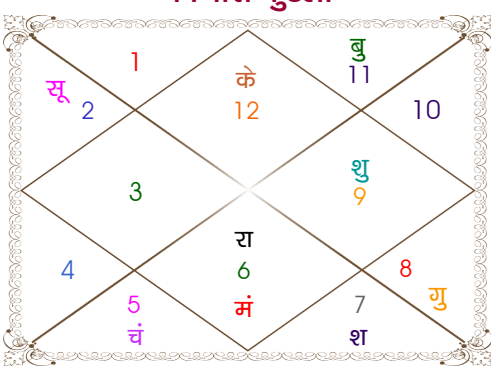

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 7 मास 24 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
11/11/1993		07/07/1999		07/07/2017		07/07/2033		07/07/2052	
07/07/1999		07/07/2017		07/07/2033		07/07/2052		07/07/2069	
	11/11/1993	राहु	19/03/2002	गुरु	25/08/2019	शनि	10/07/2036	बुध	03/12/2054
राहु	21/12/1993	गुरु	12/08/2004	शनि	07/03/2022	बुध	20/03/2039	केतु	30/11/2055
गुरु	27/11/1994	शनि	19/06/2007	बुध	12/06/2024	केतु	28/04/2040	शुक्र	30/09/2058
शनि	06/01/1996	बुध	05/01/2010	केतु	19/05/2025	शुक्र	28/06/2043	सूर्य	07/08/2059
बुध	02/01/1997	केतु	24/01/2011	शुक्र	18/01/2028	सूर्य	09/06/2044	चंद्र	05/01/2061
केतु	31/05/1997	शुक्र	24/01/2014	सूर्य	05/11/2028	चंद्र	08/01/2046	मंगल	02/01/2062
शुक्र	31/07/1998	सूर्य	18/12/2014	चंद्र	07/03/2030	मंगल	17/02/2047	राहु	22/07/2064
सूर्य	06/12/1998	चंद्र	18/06/2016	मंगल	11/02/2031	राहु	24/12/2049	गुरु	28/10/2066
चंद्र	07/07/1999	मंगल	07/07/2017	राहु	07/07/2033	गुरु	07/07/2052	शनि	07/07/2069

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
07/07/2069		07/07/2076		07/07/2096		08/07/2102		08/07/2112	
07/07/2076		07/07/2096		08/07/2102		08/07/2112		00/00/0000	
केतु	03/12/2069	शुक्र	06/11/2079	सूर्य	24/10/2096	चंद्र	08/05/2103	मंगल	04/12/2112
शुक्र	02/02/2071	सूर्य	05/11/2080	चंद्र	25/04/2097	मंगल	07/12/2103	राहु	12/11/2113
सूर्य	10/06/2071	चंद्र	07/07/2082	मंगल	31/08/2097	राहु	07/06/2105		00/00/0000
चंद्र	09/01/2072	मंगल	06/09/2083	राहु	25/07/2098	गुरु	07/10/2106		00/00/0000
मंगल	06/06/2072	राहु	06/09/2086	गुरु	13/05/2099	शनि	08/05/2108		00/00/0000
राहु	25/06/2073	गुरु	07/05/2089	शनि	25/04/2100	बुध	07/10/2109		00/00/0000
गुरु	01/06/2074	शनि	07/07/2092	बुध	02/03/2101	केतु	08/05/2110		00/00/0000
शनि	10/07/2075	बुध	07/05/2095	केतु	08/07/2101	शुक्र	07/01/2112		00/00/0000
बुध	07/07/2076	केतु	07/07/2096	शुक्र	08/07/2102	सूर्य	08/07/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 7 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।